गुरु रंधावा के सुरों का जादू

आईआईटी बीएचयू के तकनीकी महोत्सव टेक्नेक्स के अंतिम दिन रविवार को गुरु रंधावा व डीजे आली एसे के सुरों पर आईआईटियन्स ने मस्ती की।

आईआईटी बीएचयू में टेक्नेक्स के समापन पर गीत पेश करते सुप्रसिद्ध गायक गुरु रंधावा।

डीजे आली एसे ने भी भावी इंजीनियरों को अपने सुरों पर झूमने के लिए विवश कर दिया। • हिन्दुस्तान

• भविष्य की जरूरतों के आधार पर बनाए छात्रों ने विमानों के मॉडल • आईआईटी बीएचयू के 'टेक्नेक्स-19' महोत्सव का समापन

मॉडल लड़ाकू विमानों के करतबों ने लोगों को किया दंग

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू में जुटे देशभर के भावी इंजीनियरों ने लड़ाकू विमानों के मॉडलों के जरिये भविष्य की ताकत का अहसास कराया। इन मॉडलों के हैरतअंगेज करतबों ने लोगों को दंग कर दिया। तकनीकी महोत्सव टेक्नेक्स-19 के समापन पर रविवार को आईआईटी जिमखाना में आयोजित एयर शो देखने के लिए काफी संख्या में लोग जुटे।

प्रो. वीरभद्र मिश्र की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में 25 से अधिक ज्यादा विमानों के मॉडल पेश हुए। इनमें पेट्रोल व विद्युत दोनों का उपयोग किया गया था। ब्लैक - हॉक, ऑक्टाकॉप्टर, क्वाड कॉप्टर, सेवियर प्लेन, जेस्टर कंट्रोल, 62 पेट्रोल इंजन प्लेन आकर्षण के केंद्र रहे। ये सारे गए। इसके अलावा हाथ से नियंत्रित होने वाला ड्रोन, ट्राईकॉप्टर, रेसिंग क्वाड ड्रोन, रेसिंग प्लेन भी दिखे, जो पलक झपकते ही आसमान की ऊंचाइयों पर पहुंचे और एक झटके में नीचे की ओर आये। ये पूरी तरह वायरलेस तकनीक पर आधारित थे। क्वाडकॉप्टर ड्रोन की मदद से दर्शकों पर फूल बरसाए गए। ड्रोन की मदद से रंग उछालकर आकाश में तिरंगा भी बनाया, जिसपर खूब तालियां बजीं।

रोमांचक खेलों ने खूब किया मनोरंजनः टेक्नेक्स में कई खेलों और प्रतियोगिताओं ने छात्र-छात्राओं के साथ अतिथियों का खूब मनोरंजन किया। 'पल्स क्रॉस द प्ले' प्रतिभागियों को वीआर कंसोल दिया जाता है और कुछ दूर चलना होता है, एक ऑब्जेक्ट चुनना और लौटना होता है। विजेताओं को सम्मानित किया गया।

जादूगर के हैरतअंगेज करतब देख हुए दंगः द मैजिक शो में प्रसिद्ध जादूगर राम राठी ने हवा में कई चीजों को गायब कर दिया। वह अचानक 10 रुपये का नोट दर्शकों के सामने प्रकट कर दिया। यह जादू और संगीत का एक संतुलित

25 से ज्यादा मॉडल विभिन्न विमानों के पेश किये गए

आकर्षक खेलों ने खूब जमाया रंग

राजपूताना ग्राउंड और एनसीसी ग्राउंड में कई आकर्षक खेल हुए, जिसमें एसबी, सिट डाउन, आर्चरी में बंजी बास्केटबॉल, राजपूताना ग्राउंड में फुटबॉल और एनसीसी ग्राउंड में पेंटबॉल हुआ। जुगलिंग और लाइट शो में बाजीगर और करतबबाज शामिल थे। इसमें चपलता, कौशल, लचीलापन और गति दिखी।

आईआईटी बीएचयू के जिमखाना में सेंसर लगे बैलून को उड़ाकर भी छात्रों ने लोगों को रोमांचित किया। • हिन्दुस्तान

'अमूल मॉडल' की सफलता की कहानी सुनाई

'थिंकटैंक्स' के दूसरे सत्र में अमूल के प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने अमूल मॉडल की सफलता के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे हजारों गरीब, भूमिहीन महिलाएं, जिन्होंने गाय से सीधे ग्राहक को दूध की आपूर्ति की और अमूल को 45000 करोड़ रुपये की फलते-फूलते कंपनी में बदल दिया। उन्होंने भारत में कुशल दूध आपूर्ति श्रृंखला के

उसने मेरे चेहरे पर एसिड फेंक दिया, मेरे सपनों पर नहीं

वाराणसी। टेक्नेक्स का खास आकर्षण रहा 'थिंक टैंक्स' परिचर्चा। पहले सत्र में एसिड अटैक पीड़िता लक्ष्मी अग्रवाल ने आपबीती सुनाई और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। दिल्ली की लक्ष्मी ने बताया कि ट्यूशन जाते समय एक व्यक्ति उनका पीछा करता था। वह अपने प्रति अरुचि से नाराज़ था।

वह उनकी उम्र से दोगुना था और उनसे शादी के लिए दबाव बना रहा था। मना करने पर उसने दो दोस्तों के साथ उन पर एसिड फेंक दिया। एक टैक्सी चालक ने उन्हें बचाया। उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। उसने जलन को कम करने के लिए नौ बड़े ऑपरेशन किए गए। हालांकि यह कठिन था फिर भी वह इससे उबर गईं। हालांकि उनकी आगे की यात्रा और कठिन हो गई। नौकरी नहीं मिली। उन्होंने नए सपने देखे। उन्होंने अपने संगठन की शुरुआत